दैनिक जागरण 19.11.11

विश्वस्तरीय शिक्षा ही प्राथमिकता : भुक्कल

नैक की कार्यशाला को संबोधित करती शिक्षा मंत्री श्रीमती गीता भुक्कल। जागरण

खानपुर कलां में नैक की कार्यशाला में मौजूद शिक्षक व शिक्षिकाएं। जागरण

- भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में समारोह का आयोजन

गोहाना, संवाद सहयोगी : शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल ने कहा कि प्रदेश में विश्वस्तर की उत्तम शिक्षा दी जा रही है। इससे विद्यार्थी बड़ी से बड़ी उपलब्धि आसानी से प्राप्त कर पा सके। प्रदेश सरकार की बेहतरीन शिक्षा नीति के कारण प्रदेश में विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की भरमार हो गई है। जहां शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वे शुक्रवार को भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में नैक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन कौंसिल) द्वारा प्रदेश में पहली बार आयोजित एक दिवसीय राज्यस्तरीय सेंसीटाइजिंग वर्कशाप के शुभारंभ पर बोल रही थी। महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन करवाने को लेकर नैक द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई है। इसमें प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की शिक्षा नीति औरों के लिए अनुकरणीय है। इसी नीति के कारण उच्च शिक्षा को लेकर हरियाणा में भारी संख्या में महाविद्यालयों, समतुल्य विश्वविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई है। इस स्थिति में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के उच्च स्तरीय मापदंडों को बनाए रखना अतिआवश्यक है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के शिक्षण संस्थान उनका मूल्यांकन करवाने की दिशा में नैक द्वारा मान्यता प्राप्त करने तथा क्वालिटी ऐजुकेशन के मूल्यांकन के लिए संवेदनशील बनें। इससे भविष्य के परिवर्तनों तथा अपेक्षाओं के दृष्टिगत उच्चस्तरीय मापदंड बनाए रखे जा सके। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा क्षेत्र में जिस प्रकार से विस्तार ने गति ली है, उन परिस्थितियों में मापदंडों को कार्यान्वित करने के साथ-साथ बनाए रखना और भी अधिक अनिवार्य है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि तथा प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव एसएस प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के लिए नैक द्वारा मान्यता तथा मूल्यांकन करवाने हेतु उच्च शिक्षा के शिक्षण संस्थानों को संवेदनशील होना जरूरी है।

कार्यशाला में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति डा. पंकज मित्तल, उपकुलपति डा. बलबीर कौर, सचिव डा. शिमला देवी, नैक के निदेशक प्रो. एचए रंगनाथ, डा. एमएस श्यामसुंदर, सुमित्रा चौहान, एसडीएम सत्यवान ईंदौरा, जिला शिक्षा अधिकारी अजीत कादयान, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी शीला बलहारा आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला 19/11/11

सोनीपत में भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय में एक दिवसीय राज्यस्तरीय वर्कशाप में उपस्थित लेक्चरर।

हरिभूमि 16.11.11

मंथन | भक्त फूलसिंह महिला विवि की वीसी ने अमेरिका से लौटकर साझा किए अनुभव

अब अमेरिका स्टाइल में होगी पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज, रोहतक

भक्त फूलसिंह महिला विवि के सभागार में मंगलवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हाल ही में अमेरिका से वापस लौटी विवि की वीसी डा. पंकज मित्तल द्वारा अनुभव साझे करते हुए छात्राओं को वहां की शिक्षा गुणवत्ता के बारे में आवश्यक जानकारियां दी।

वीसी ने अमेरिका की शिक्षा को गुणवत्तापरक मानते हुए छात्राओं को ध्यान व लग्न के साथ शिक्षा ग्रहण करने के अलावा लक्ष्य साधकर शिक्षा ग्रहण करने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कई उच्च शिक्षण संस्थान विवि के साथ अनुबंध के लिए भी तैयार हैं। नेहरु इंटरनेशनल एजूकेशन

गोहाना। भक्त फूलसिंह महिला विवि के सभागार में आयोजित बैठक में उपस्थितजन।

की तरफ से अमेरिका शिक्षा पद्धति के बारे में जानकारी लेने पहुंची वीसी मित्तल ने छात्राओं को बताया कि अमेरिका की उच्च शिक्षा प्रणाली सरकारी संस्थान, गैर सरकारी संस्थान व गैर सरकारी संस्थान साझ आदि तीन वर्गों पर आधारित है। उन्होंने बताया कि वहां पर गैर सरकारी संस्थान भी दो तरह के हैं। एक तो शिक्षा सेवा के लिए व दूसरा लाभ कमाने के लिए।

वीसी ने कहा कि शिक्षा को और अधिक गुणवत्तापरक बनाने के लिए छोटे क्लास रूम बनाए गए हैं। ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। अमेरिका की शिक्षा प्रणाली बहुत महंगी है लेकिन विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप किसी भी कोर्स में दाखिला लेकर गहन अध्ययन व अनुशासनबद्ध तरीके से शिक्षा ग्रहण कर सफलता हासिल करते हैं। वीसी ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि अमेरिका के कई उच्च शिक्षण संस्थान विवि के साथ अनुबंधन करने के लिए भी तैयार है उसके बाद वहां की शिक्षा भी और अधिक गुणवत्तापरक होगी। लेकिन विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा ग्रहण कर सफलता पाने के लिए सहनता के साथ अनुशासनबद्ध रहते हुए शिक्षा ग्रहण करनी होगी। कार्यक्रम में डा. साकित विज, प्रति कुलपति डा. बलबीर कौर, शिमला देवी, डा. केवी सिंह, डा. वीसी आर्य, डा. एएन शर्मा, डा. दिग्विजय, डा. अमृता शर्मा व डा. वीणा के अलावा काफी संख्या में छात्राएं मौजूद थी।

हरि-भूमि 19.11.11

क्वालिटी एजुकेशन एक वर्ल्डवाइड एजेंडा

गोहाना। भक्त फूल सिंह विवि में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य व गणमान्य व्यक्ति। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज, गोहाना

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के उच्च मापदण्ड स्थापित रखे जाने की दिशा में महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों की उनकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करवाने के लिए नैक (नेशनल असैस्मेंट एण्ड ऐक्रिडिटेशन कौंसिल) द्वारा प्रायोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में शिक्षा मंत्री श्रीमती गीता भुक्कल ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को हॉलमार्क की संज्ञा देते हुए क्वालिटी एजुकेशन को वर्ल्डवाइड ऐजेंडा बताया। भक्त फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में आयोजित इस एक दिवसीय राज्य स्तरीय सेंसीटाइजिंग वर्कशाप का दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्यातिथि शिक्षा मंत्री श्रीमती गीता

गोहाना। भक्त फूलसिंह महिला विवि में आयोजित कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करती हुए शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल। फोटो: हरिभूमि

- नैक से उच्च शिक्षा के मूल्यांकन व मान्यता को लेकर कार्यशाला

भुक्कल ने शुभारम्भ किया। महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन करवाने को लेकर नैक द्वारा हरियाणा में पहली चार प्रायोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। शिक्षा मंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि इसमें कोई दोराय नहीं है कि प्रदेश सरकार की शिक्षा नीति के परिणामस्वरूप उच्च शिक्षा को लेकर हरियाणा में भारी संख्या में कॉलेजों, समतुल्य विश्वविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई है। इन वस्तुस्थितियों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के उच्च स्तरीय मापदंडों को बनाए रखना अतिआवश्यक है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के शिक्षण संस्थान उनका मूल्यांकन करवाने की दिशा में नैक द्वारा मान्यता प्राप्त करने तथा क्वालिटी ऐजुकेशन का मूल्यांकन के लिए संवेदनशील बने ताकि भविष्य के परिवर्तनों तथा अपेक्षाओं के दृष्टिगत उच्चस्तरीय मापदंड बनाए रखे जा सकें। शिक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा पूरे उत्तर भारत में एक एजुकेशन हब के रूप में उभर रहा है।

दैनिक ट्रिब्यून, नयी दिल्ली, शनिवार, 19 नवंबर, 2011

गुणवत्तापरक शिक्षा का केंद्र बनेगा हरियाणा : गीता भुक्कल

महिला विश्वविद्यालय में नैक की मान्यता प्रक्रिया पर कार्यशाला

गोहाना, 18 नवम्बर (निस)। शिक्षा का प्रसार करते हुए क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होने दिया जाएगा। हरियाणा शिक्षा का हब बनेगा, पर ऐसी शिक्षा का जो गुणवत्तापरक होगी। शुक्रवार को यह टिप्पणी प्रदेश की शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल ने भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में राज्यस्तरीय कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए की। यह कार्यशाला राज्य के शैक्षणिक संस्थानों को नैक की मान्यता की प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए आयोजित की गई जिसमें नैक के निदेशक प्रो. एच.ए. रंगनाथ और उप-सलाहकार डा. श्याम सुंदर भी पहुंचे।

कार्यशाला की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. डा. पंकज मित्तल ने की और विशिष्ट अतिथि प्रदेश के शिक्षा के वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव एस.एस. प्रसाद थे।

शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल ने कार्यशाला में पहुंचे राज्यभर के 450 शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार सर्वश्रेष्ठ माहौल में बेहतरीन शिक्षा का स्वप्न संजोए हुए है जिसके लिए विद्यार्थियों को उत्तरदायी नागरिक बनाने के लिए उनको उच्च मापदंडों पर आधारित शिक्षा उपलब्ध करवाई जाएगी। शिक्षा के वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव एस.एस. प्रसाद ने कहा कि लगातार बढ़ रहे शैक्षणिक संस्थान गुणवत्ता के लिए चुनौती हैं। उन्होंने अध्यापन में सुधार पर विशेष रूप से बल दिया। कार्यशाला में नैक के निदेशक प्रो. एच.ए. रंगनाथ और उप-सलाहकार डा. श्याम सुंदर ने मान्यता की प्रक्रिया और नैक की अपेक्षाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी। महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. डा. पंकज मित्तल ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में विश्वविद्यालय की प्रो. वी.सी. डा. बलबीर कौर और रजिस्ट्रार विमला देवी भी उपस्थित थीं।

शुक्रवार को गोहाना में महिला विश्वविद्यालय में दीप प्रज्वलित कर राज्यस्तरीय कार्यशाला का शुभारम्भ करते हुए शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल। -निस

NAAC sponsored workshop conducted

A one-day workshop on the "Process of Accreditation," sponsored by the National Assessment and Accreditation Council (NAAC), was conducted at BPS Mahila Vishwavidyalaya. The workshop, a first of its kind, acquainted the principals and representatives of various educational institutions of Haryana about the parameters of assessment undertaken by NAAC to grade the institutions.

The resource person for the three technical sessions, deputy advisor Dr Shyamasundar, sensitised the audience towards the process and methodology of accreditation and the post-accreditation expectations of NAAC from the graded institutions.

The workshop was inaugurated by Geeta Bhukkal, education minister, Haryana who in her speech said that educating the masses is a dream of the Govt of Haryana and the Govt has taken steps to make the state an education hub. But, at the same time, the govt is committed to imparting quality education to the aspiring students.

Vice-chancellor of the university Dr Pankaj Mittal welcomed the august gathering and outlined the history of the university since its genesis in 1996 to its becoming a university in 2006. Thereafter she highlighted several achievements of the university and said that the NAAC sponsored workshop is the another feather in the university's cap. The vote of thanks was delivered by the registrar.